छोड़ दे मनवा मन मस्ती सोंह शिखर गढ है बस्ती

छोड़ दे मनवा मन मस्ती,
सोंह शिखर गढ है बस्ती।bd।

इंगला पिंगळा अर्धंग नारी,
चांद सूरज घर रह लगती,
गंगा जमना बहे सरस्वती,
स्वास स्वास की वहां गिणती।bd।

अष्ट कमल में अलख विराजे,
रंग महल में रहे सगती,
चोबारा में दीपक जलता,
वहां पे सुरता रहे जगती।bd।

हिये उतार हाथ धर लेणा,
शीश उतार करो कुश्ती,
पांच तन्त गुण तिनू भेला राखो,
जबर धणियांरी है जपती।bd।

इसी नगर में डंका लागे,
साध सुणे कोई बिरला सती,
झालर शंख पखावज बाजे,
जिण बिच केली करे हसती।bd।

गोरखनाथ मुक्ती के दाता,
पल पल सुमरे पारवती,
शरण मच्छिंद्र गोरख बोल्या,
अलख लख्या सो खरा जती।bd।

छोड़ दे मनवा मन मस्ती,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सोंह शिखर गढ है बस्ती।bd।

गायक – नारायण बैरवा।

Upload – Ramesh Malviya
9850102821

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com